हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, मंगलवार 12 मई 2026

11 गंगा संस्थान के विद्यार्थियों ने जीते पांच पुरस्कार

12 सोमनाथ मंदिर भारतीय संस्कृति की दृढ़ पहचान

खबर संक्षेप

कृषि उपकरण चोरी मामले में पकड़ा गया आरोपी रिमांड पर

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा खेत से कृषि उपकरण चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। सदर थाना प्रभारी निरीक्षक परमजीत ने बताया कि सुमित निवासी हसनपुर की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान रवि निवासी गांव कासनी जिला झज्जर के तौर पर की गई है। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। अब पुलिस आरोपी से यह पता लगाएगी की कहीं और वारदात में तो वह शामिल नहीं।

सुबह बादल छाए तो दिन में बढ़ी गर्मी

बहादुरगढ़। तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। हालांकि सोमवार की सुबह आसमान में बादल छाए और गर्मी का एहसास कम हुआ लेकिन दोपहर होते-होते फिर से तेज धूप निकल आई और शाम चार बजे अधिकतम तापमान 39 डिग्री पर पहुंच गया। दिन ही नहीं, अब तो रात के समय भी तापमान बढ़ रहा है। न्यूनतम तापमान 25 डिग्री के पार चल रहा है। आगामी दिनों में और तेजी से गर्मी बढ़ेगी।

ट्रेन में चढ़ते वक्त जेब से मोबाइल निकाला

बहादुरगढ़। बहादुरगढ़ स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ते वक्त एक युवक का मोबाइल निकाल लिया गया। वारदात उत्तर प्रदेश मूल के हिमांशु के साथ हुई है। हिमांशु का कहना है कि वह यहां झज्जर रोड पर पावर हाउस के पास रहता है। गत आठ मई की रात को वह बहादुरगढ़ स्टेशन पर आया था। पुरानी दिल्ली जाने के लिए कालिंदी एक्सप्रेस में चढ़ने लगा तो काफी भीड़ थी। किसी ने जेब से मोबाइल निकाल लिया। ट्रेन के अंदर चेक किया तो फोन नहीं मिला।

नगर परिषद में 15 मई को होनी है बैठक, 31 में से 25 पार्षदों ने खोला है मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

नगर परिषद के 31 में से 25 पार्षदों के अविश्वास जताने के बाद वाइस चेयरमैन राजपाल उर्फ पालेराम शर्मा के विरुद्ध 15 मई को बैठक होने वाली है। इसे लेकर पार्षदों की खेमेबंदी भी तेज हो गई है। एक तरफ जहां नाराज पार्षद अपना संख्याबल बढ़ने का दावा कर रहे हैं। वहीं पालेराम ने एक बार तो तल्ख तेवर दिखाकर अपने समर्थकों की बैठक बुलाने की घोषणा की थी, लेकिन तीन दिन पहले ही यह बैठक स्थगित कर दी। बता दें कि नगर परिषद के 31 में से 25 पार्षदों ने उप-प्रधान पालेराम के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उपायुक्त झज्जर को 17 मार्च को शपथ पत्र सौंपे थे। इस पर हरियाणा पालिका चुनाव नियमावली-1978 के नियम 72-ए के तहत कार्रवाई करते हुए एडीसी ने 15 मई को सुबह 11 बजे नगर परिषद कार्यालय बहादुरगढ़ के सभाकक्ष में विशेष बैठक बुलाई है।

नगर परिषद उपप्रधान पालेराम शर्मा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर खेमेबंदी जारी, पार्षदों को लुभाने की तैयारी

- वाइस चेयरमैन के व्यवहार और कार्यशैली की निंदा कर चुके हैं पार्षद, तीन बार कर चुके नप बैठक का बहिष्कार

बहादुरगढ़। नप उपाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले पार्षद व उनके प्रतिनिधि।

सीएम से मिलकर की थी शिकायत

शहर की राजनीति में खेमेबंदी जारी है। एफिडेविट देने वाले पार्षद रजनीश कुमार मोनू, अन्नु रानी, राजेश मकड़ौली, ज्योति शर्मा, संदीप अहलावत, जितेंद्र राठी, राजकुमारी धाकरे, मनीषा धनखड़, प्रीति राठी, ज्योति राठी, सचिन दलाल, संदीप दहिया, विशाल गर्ग, विनोद जांगड़ा, बिजेंद्र दलाल, सुनैना मलिक, अश्वनी शर्मा, रमन यादव, बलराम दलाल मिंटू, ज्योति रोहिल्ला व कुलदीप राठी आदि ने वाइस चेयरमैन पालेराम शर्मा के व्यवहार और कार्यशैली की कड़ी निंदा की थी। अधिकांश पार्षद पालेराम शर्मा द्वारा सार्वजनिक रूप से तिरस्कृत किए जाने से नाराज हैं। गत विधानसभा चुनाव के दौरान भी पालेराम ने मंच से भाजपा के शीर्ष नेताओं को अपशब्द कहे थे। उन पर जरूरी प्रोजेक्ट्स में अनावश्यक बाधाएं डालकर शहर का विकास भी प्रभावित करने के आरोप लगे। उनसे नाराज पार्षदों ने 3 बार बजट बैठक का भी बहिष्कार किया था। नाराज पार्षदों के दिल्ली में सीएम नायब सैनी से मुलाकात के बाद बैठक तय होने का लेटर जारी हो गया था।

शर्मा ने समर्थकों की बैठक स्थगित की

पालेराम शर्मा ने 9 मई को अपने समर्थकों की बैठक बुलाने को लेकर इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट डाली। इसके बाद पूर्व विधायक पर निशाना साधते हुए एक फोटो भी अपलोड की थी। लेकिन फिर पालेराम ने शीर्ष नेतृत्व के हस्तक्षेप का हवाला देते हुए बैठक नहीं करने की पोस्ट डाल दी। खैर इन सभी घटनाक्रम के बीच पार्षदों को प्रभावित करने के भी भरसक प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन पार्षद भी लगातार अपनी एकजुटता के दावे कर रहे हैं।

11वें दिन भी जारी रही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल, नहीं निकला समाधान

सफाई कर्मियों ने 14 मई तक बढ़ाई हड़ताल शासन फेल, और गंदगी झेलने को तैयार रहें

- रिटायर्ड कर्मचारी संघ के सदस्यों ने हड़ताल में शामिल होकर सफाई कर्मचारियों का समर्थन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा की हड़ताल 11वें दिन भी जारी रही। अब राज्य कार्यकारिणी के आह्वान पर हड़ताल को आगामी 14 मई तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री का कहना है कि कर्मचारियों की मांगों का समाधान होने तक आंदोलन जारी रहेगा। सरकार द्वारा मांगों पर कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाए जाने के कारण हड़ताल को आगे बढ़ाया गया है। वहीं, इस हड़ताल की वजह से जगह-जगह कूड़े के ढेर जमा हो गए हैं, जिससे बीमारियां फैलने का खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर पैदल चलना तक दूभर हो गया है।

इकाई प्रधान शिवम चांवरिया ने बताया कि संघ की प्रमुख मांगों में सफाई कर्मचारियों की नियमित भर्ती, ठेकाप्रथा समाप्त करना, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, समान काम समान वेतन, न्यूनतम 30 हजार रुपये वेतन, सेवानिवृत्ति लाभ, फरीदाबाद के फायर ब्रिगेड कर्मचारी रणबीर व भवीचंद तथा स्थानीय नगर परिषद के पेरोल कर्मचारी राजेश की हुई मौत के बाद उसके आश्रितों को उचित मुआवजा व पक्की नौकरी तथा गुरुग्राम के 3480 कर्मचारियों की बहाली शामिल है।

झज्जर। हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए रिटायर्ड कर्मचारी संघ के पदाधिकारी।

नगर परिषद के ईओ को ज्ञापन सौंपा

सोमवार को रिटायर्ड कर्मचारी संघ के सदस्यों ने हड़ताल में शामिल होकर सफाई कर्मचारियों का समर्थन किया। इस संबंध में उन्होंने नगर परिषद के ईओ को ज्ञापन भी सौंपा। इस मौके पर सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान रामवीर, रिटायर्ड कर्मचारी संघ से राजेंद्र जुलाना, रमेश जाखड़, रामेश्वर बिरधना, दिलीप रावत, राजवीर राहड़, जयपाल गुढ़ा, जिला सचिव गौरव, ऑडिटर कृष्ण, प्रचार सुचारक मनीषा, विनोद गुर्जर, दुष्यंत, शीतल, रानी, संदीप, सुनील, मुकेश, जितेंद्र, विकास, गुलाटी, शीतल, सविता, अंजू, उषा, सुशीला, सुमित्रा , सरस्वती ,बबली, किरण सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

लोगों ने कूड़ा जलाना शुरू किया

शहर में सफाई व्यवस्था ठप होने के कारण लोगों का जीना दूभर हो रहा है। जगह-जगह सड़क किनारे बीस से तीस फीट तक कूड़ा फैला है। राहगीर दुर्गंध के बीच से निकलने को मजबूर हैं। लगातार बढ़ रहे कूड़े के ढेर को लेकर बाजार के व्यापारी भी परेशान हैं। बाजार में भी दुकानों के सामने कचरा फैला रहता है। दिनभर तेज हवाओं के बीच कूड़े में पड़ी पॉलीथिन व कागज इधर से उधर बिखरते दिखाई पड़ते हैं। कुछ दुकानदार अब दुकानों के सामने पड़े कूड़े को आग लगा रहे हैं। लोगों का कहना है कि नगर परिषद में यदि कच्चे कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे हैं तो क्या परिषद में कोई भी पक्का सफाई कर्मचारी नहीं है जिसकी सहायता से कूड़ा उठान कराया जा सके। ऐसे में नगर परिषद कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

संबंधित खबर पेज 11 पर

डिजिटल कांटों से होगा राशन वितरण

नई पीओएस मशीनों से आंखें स्कैन होकर मिलेगा राशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

राशन वितरण प्रणाली को आधुनिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में सरकार ने आवश्यक कदम उठाया है। अब पुरानी 2-जी मशीनों की जगह 5-जी तकनीक आधारित नई पीओएस मशीनें और डिजिटल कांटे राशन डिपो पर लगाए जाएंगे। बहादुरगढ़ के 117 सरकारी राशन डिपो पर ये आधुनिक उपकरण जल्द इंस्टॉल किए जाएंगे।

विभाग के पास नई मशीनें और डिजिटल कांटे पहुंच चुके हैं, हालांकि फिलहाल कुछ तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी की जानी बाकी हैं। प्रक्रिया पूरी होते ही ये मशीनें व तराजू डिपो होल्डरों को दे दिए जाएंगे, जिसके बाद लाभार्थियों को इन्हीं मशीनों के माध्यम से राशन वितरित किया जाएगा।

दरअसल, पुरानी मशीनों को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद विभाग ने यह कदम उठाया है। कई बार नेटवर्क समस्या और बायोमेट्रिक दिक्कतों के कारण लाभार्थियों को राशन लेने में परेशानी उठानी पड़ती थी। इसके अलावा समय भी काफी लग जाता था। ये नई मशीनें अत्याधुनिक बायोमेट्रिक सिस्टम और आंखों की स्कैनिंग सुविधा से लैस होंगी।

बेहतर इंटरनेट स्पीड के कारण नेटवर्क संबंधी दिक्कतें कम होंगी और डाटा रियल टाइम में अपडेट होगा। अधिकारियों की मानें तो, इससे राशन वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी तथा लाभार्थियों की शिकायतों का त्वरित समाधान भी संभव हो सकेगा।

बहादुरगढ़। विभाग में आए नए कांटे।

सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी सपना ने बताया कि विभाग को 5जी आधारित नई पीओएस मशीनें उपलब्ध हो चुकी हैं। प्रत्येक डिपो पर डिजिटल कांटे के साथ नई मशीनें लगाई जाएंगी। मई माह का बकाया राशन भी इन्हीं मशीनों के माध्यम से वितरित किया जाएगा। इससे पहले सभी डिपो धारकों को प्रशिक्षकों के जरिए मशीन संचालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि लाभार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जिला शिक्षा अधिकारी ने दिए निर्देश

दस्तावेजों के अभाव में नहीं रुकेगा दाखिला

झज्जर। बैठक में उपस्थित प्राचार्यों को संबोधित करते हुए विभागीय अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

सोमवार को शहीद रमेश कुमार राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जिला शिक्षा अधिकारी रतींद्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के सभी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया। बैठक में जिला निपुण समन्वयक डॉक्टर सुदर्शन पूनिया ने पिछले सत्र की छात्र संख्या से वर्तमान सत्र की छात्र संख्या की तुलना की। उन्होंने बालवाटिका में दाखिले बढ़ाने पर जोर दिया।

जिला परियोजना समन्वयक अनिल शर्मा ने उपस्थित प्राचार्यों को पाठ्य पुस्तकों की वितरण की नवीनतम स्थिति अपडेट करने तथा यूडाइस कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी राजबाला ने पुस्तकालय से पुस्तकों का नियमित और उचित वितरण, वाटर टैंक, शौचालय आदि की स्वच्छता सुनिश्चित करने, विद्यार्थियों की अधिकतम उपस्थिति तथा मध्याह्न भोजन को विभाग द्वारा प्रदान मेन्यू एवं रेसिपी के अनुसार पकाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आरटीई एक्ट-2009 के अनुसार किसी छात्र को दस्तावेजों के अभाव में प्रवेश से वंचित न किया जाए बल्कि उसका एमआईएस पर ऑफलाइन दाखिला कर दिया जाए।

विज्ञान के प्रयोगों को बढ़ावा दिया जाए

जिला शिक्षा अधिकारी रतींद्र सिंह ने सभी प्रतिभागियों को विज्ञान एवं अन्य प्रयोगशालाओं का उचित उपयोग सुनिश्चित करने तथा शिक्षक, कक्षा, प्रयोग का नाम एवं तिथि सहित रजिस्टर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक विद्यालय में संसाधनों के अनुरूप नियमित रूप से कम से कम एक खेल गतिविधि आयोजित करने, डिजिटल पैनलों का नियमित उपयोग तथा प्रत्येक शिक्षक को उनका संचालन सिखाने पर बल दिया। उन्होंने कक्षा 9वीं से 12वीं की लड़कियों को दिए जाने वाले दूध एवं प्रोटीन बार का रिकॉर्ड रखने, प्रत्येक छात्र का एमआईएस प्रोफाइल पूर्ण करने तथा अगली कक्षा में ट्रांजीशन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

गेहूं की सरकारी खरीद के बचे चार दिन, उठान कार्य जोरों पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

गेहूं की सरकारी खरीद के महज चार दिन शेष बचे हैं। 15 मई तक गेहूं की सरकारी खरीद की जाएगी। वहीं, जिले की अनाज मंडियों में उठान कार्य जोरों पर चल रहा है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि जिले भर की मंडियों व खरीद केंद्रों पर उपज का उठान कार्य प्रगति पर है। अब तक जिले में गेहूं की 2 लाख 37 हजार 921 मीट्रिक टन की आवक दर्ज हुई, जबकि 2 लाख 23 हजार 772 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। वहीं 2 लाख 9 हजार 369 मीट्रिक टन गेहूं उपज का उठान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि खरीद एजेंसियों द्वारा स्टोरेज व्यवस्था को बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जाए, जिससे खरीदी गई उपज का सुरक्षित भंडारण किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो और सभी कार्य सुचारू रूप से संपन्न किए जाएं।

जेसीबी किराए पर लेने का झांसा देकर ठग ने मालिक से 75 हजार रुपये ऐंठे

- जेसीबी किराए के एडवांस के तौर पर आठ की जगह अस्सी हजार डालने का झांसा, बाकी पैसे वापस मांगकर धोखे को अंजाम दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

शहर के पुराना बर्फखाना रोड पर जेसीबी किराए पर देने का कार्य करने वाले व्यक्ति के साथ 75 हजार रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में सुमित ने बताया कि उसके पास एक मोबाइल से कॉल आई। व्यक्ति ने आईटीआई के सामने पाइप लाइन का काम कराने के लिए जेसीबी किराए पर मांगी। उन्होंने बताया जब उसने जेसीबी का किराया 11 सौ रुपये प्रतिघंटा बताया तो थोड़ी देर बाद फिर से उस व्यक्ति की कॉल आई। उस व्यक्ति ने कहा कि आपके खाते में फिलहाल 42 हजार रुपये डाल दिए हैं तथा आठ हजार रुपये और डाल देता हूं, इसके बाद आपके पास पचास हजार रुपये एडवांस हो जाएंगे।

इसके थोड़ी देर बाद फिर से उस व्यक्ति का फोन आया जिसमें उसने बताया कि आपके पास भूलवश आठ हजार रुपयों की बजाय अस्सी हजार रुपये भेज दिए इसलिए बकाया रकम उसे वापिस देनी होगी। शिकायतकर्ता के अनुसार इसके बाद वह उसकी बातों में आ गया और उसने अलग-अलग ट्रांजक्शन के माध्यम से एक बार 12 हजार रुपये, एक बार 43 हजार, फिर 19999 रुपये की पेमेंट भेज दी। इसके बाद उसने जेसीबी भी संबंधित आईटीआई के सामने भिजवा दी। जब कई देर तक वहां कोई नहीं पहुंचा तो उसे ठगी का आभास हुआ। जब उसने अपने बैंक पहुंच कर बैलेंस चेक किया तो पता चला कि उसके साथ 74,999 रुपये की ठगी हुई है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज करते हुए नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बिना ओटीपी बताए क्रेडिट कार्ड से निकले 3 लाख

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर निवासी एक व्यक्ति के क्रेडिट कार्ड से रहस्यमयी परिस्थितियों में 3 लाख रुपये की निकासी हो गई। हाल ही में उसने एप्लीकेशन चेक की तो मामले का पता चला। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दे दी है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात छोटूराम पार्क के निवासी कृष्ण के साथ हुई है। कृष्ण का कहना है कि वह एचएनजी कंपनी में काम करता है। उसके पास एसबीआई का क्रेडिट कार्ड है, जिसकी लिमिट करीब साढ़े तीन लाख रुपये है। 2 मई को एप्लीकेशन खोली तो पता चला कि 3 लाख रुपये कटे हुए हैं। ये रुपये 25 अप्रैल को कटे हैं। इसके बाद इनबॉक्स चेक किया तो 25 अप्रैल को एक ओटीपी आया हुआ था। उसने न तो कार्ड का इस्तेमाल किया और न ही किसी को कोई जानकारी दी।

बलवंत सुसाइड केस | 31 सदस्यीय समिति ने लघुसचिवालय पहुंचकर अधिकारियों से मुलाकात की

मुख्यमंत्री को मांगपत्र भेजकर सरकारी नौकरी देने की मांग

सर्व जातीय खाप पंचायत ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच और आर्थिक मदद की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

हरियाणा सचिवालय की आठवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या करने वाले अकाउंट ऑफिसर बलवंत सिंह को न्याय दिलाने के मामले में सर्व जातीय खाप पंचायत समिति द्वारा सोमवार को लघु सचिवालय पहुंच कर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। खाप पंचायत समिति सदस्य 36 जाखड़ खाप प्रधान प्रतिनिधि शमशेर सिंह बिगोवा व एचडी स्कूल के निदेशक रमेश गुलिया ने बताया कि दिवंगत बलवंत सिंह को न्याय दिलाने के संबंध में रविवार को उनके पैतृक गांव मुंडाहेड़ा में सर्व जातीय खाप पंचायत का आयोजन की गई थी, जिसमें पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता व मामले की निष्पक्ष जांच कराने के लिए एक 31 सदस्यीय समिति का गठन किया गया था।

अब गठित कमेटी सदस्यों ने ग्रामीणों के साथ जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। इस मौके पर यादव महासभा के प्रधान राम अवतार यादव, सुनील सरपंच, रामभगत जाखड़, नरेंद्र जाखड़, जयदीप जाखड़, रामावतार मोर, सतपाल पहलवान, सूरजभान जाखड़, ईश्वर वत्स, राव धर्मपाल, वीरेंद्र दरोगा, संजय यादव, सुभाष गुर्जर, कप्तान बिजेंद्र सिंह, कप्तान बीर सिंह, एडवोकेट बलजीत, एडवोकेट उदयभान, एडवोकेट यतेंद्, प्रोफेसर होशियार सिंह यादव, देवेंद्र यादव, संजय पार्षद, माया देवी, सरपंच राजकुमार वाल्मीकि, सरपंच रमेश, पूर्व सरपंच उदय सिंह, सरपंच रामकिशोर, सरपंच विक्रम, सरपंच सतबीर, सरपंच परमजीत, सरपंच सोमबीर, दलपत प्रधान, विजय सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए सर्व जातीय खाप पंचायत समिति पदाधिकारी व अन्य।

ये हैं प्रमुख मांगें

मुख्यमंत्री को भेजे गए ज्ञापन में मामले की उच्च स्तर पर निष्पक्ष जांच करने की मांग के साथ लिखा गया है कि आत्महत्या की घटना के उपरांत पुलिस प्रशासन को बरामद सुसाइड नोट की प्रति पीड़ित परिवार को उपलब्ध कराने, मृतक के आश्रितों को एक करोड़ की आर्थिक सहायता, मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी, एक्सग्रेसिया नीति के अनुसार वित्तीय सहायता एवं परिवार को तुरंत प्रभाव से फैमिली पेंशन तथा मामले की जांच पूर्ण होने तक संबंधित अधिकारियों को निलंबित की मांग की है।

हरिभूमि
सहेली

विशेष
अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस, 15 मई

बचपन को शीतल छांव देते पारिवारिक मूल्य

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

इस बार अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस की थीम है- परिवार, असमानताएं और बाल कल्याण। बाल कल्याण के लिए आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक समानता का परिवेश बहुत जरूरी है। इसके लिए जरूरी है, परिवार में पारिवारिक मूल्य हों। इस तरह के स्वस्थ और खुशगवार माहौल में बच्चे अपने आपको सुरक्षित महसूस करेंगे, उनका सर्वांगीण विकास होगा।

छीजते पारिवारिक मूल्य आज एक बड़ी चिंता बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा खामियाजा नई पीढ़ी को भोगना पड़ रहा है। परिवार के बिखराव ने बच्चों से बड़ों का स्नेह और सहज सुरक्षा की छांव छीन ली है। आपाधापी में गुम अभिभावक और छोटे होते जाते परिवारों के इस दौर में बच्चों की मासूमियत खो रही है। बालमन की मनुहार करने का माहौल कहीं गुम हो गया है। सही मार्गदर्शन देने वाला अपनेपन का परिवेश नहीं बचा है। वर्ष 2026 में अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस की थीम फैमिली सिस्टम के बदलते पैटर्न और बचपन को सहेजने वाले विषय पर ही केंद्रित है। इस साल का विषय 'फैमिलीज, इनइक्वेलिटी एंड चाइल्ड वेलबीइंग' है। असल में परिवार, असमानता और बच्चों का वेलफेयर आपस में गहराई से जुड़े हैं। ऐसे में पारिवारिक मूल्य और सामंजस्यपूर्ण परिवेश ही नई पीढ़ी को सही सुरक्षा और संबल दे सकता है।

पारिवारिक मूल्यों से जुड़ी सुरक्षा

चाइल्ड वेलबीइंग का सबसे अहम पहलू है- सुरक्षा। बच्चों की हिफाजत के मोर्चे पर परिवार की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। नवजात की देखभाल से लेकर टीन एज के बदलावों भरे पड़ाव तक, अपने आंगन में मिली सुरक्षा की छांव से बढ़कर कुछ नहीं होता। हर परिस्थिति में परिवारजनों से मिला स्नेह अनमोल होता है। तकलीफदेह है कि सुरक्षा का यह साया अब सिमट रहा है। पारिवारिक मूल्य का खत्म होना इसकी सबसे बड़ी वजह है। ध्यान रहे कि परिवार से मिले जीवन मूल्य बच्चों का मन थामने का काम करते हैं। बड़ों के बर्ताव में बच्चों की सेफ्टी से जुड़ा साझा भाव लाते हैं। इस वैल्यू सिस्टम के खत्म होने से बच्चों में अपराध, अकेलापन, अवसाद और आत्महत्या के आंकड़े बढ़े हैं। यह स्थिति समग्र समाज में भयभीत करने वाली है। वहीं दूसरी ओर बहुत से परिवारों में अपने ही बच्चों के मन-जीवन को घाव देने लगे हैं, जिससे अविश्वास का परिवेश बन रहा है। कुल मिलाकर पारिवारिक मूल्यों के फीके पड़ते रंग नई पीढ़ी को असुरक्षा के स्याह घेरे में ला रहे हैं। सामने आने वाली घटनाएं भी बताती हैं कि असमानता को झेलने वाले कमजोर परिवारों में बच्चे अधिक असुरक्षित होते हैं। निम्न आय वर्ग वाले घरों में पैरेंट्स अपने बच्चे की शिक्षा और मूल्यों से पहले रोजी-रोटी के बारे में सोचते हैं। यही वजह है कि चाइल्ड वेलबीइंग के लिए आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक समानता का परिवेश भी आवश्यक है।

सरोकारी सोच को बल

इंटरनेशनल-डे ऑफ फैमिलीज, परिवार के प्रति प्रेम और समर्पण को रेखांकित करने के साथ ही सामाजिक संरचना में परिवार की भूमिका को याद करने के लिए भी मनाया जाता है। पारिवारिक मूल्य ही सोशल सिस्टम में परिवार के रोल को महत्वपूर्ण बनाते हैं। देखने में आ रहा है कि पारिवारिक मूल्यों का सिमटना, सरोकारी सोच और समानता के भाव को भी कम कर रहा है। किसी भी स्तर पर असमानता और जिम्मेदार सोच की कमी व्यक्तिगत जीवन ही नहीं, समाज और देश के लिए भी नुकसानदेह है। ऐसे में समाज, देश और स्वयं इंसानों के अस्तित्व को बचाने के लिए भी पारिवारिक मूल्यों को बचाना आवश्यक है। फैमिली सिस्टम में समानता का होना, सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर सहजता का परिवेश बनाता है। 'जरनल ऑफ एडोल्सेंस' में छपी रिसर्च के मुताबिक गरीब पृष्ठभूमि वाले परिवार के बच्चों को विशेष मदद की दरकार होती है। ऐसे बच्चे जानकारी जुटाने में भी कमजोर होते हैं। उनमें भावनात्मक और व्यावहारिक परेशानियां अधिक होती हैं। अभावों के बीच पलने वाले बच्चे डिप्रेशन और एंग्जाइटी के ज्यादा शिकार हो सकते हैं। ऐसे में पारिवारिक परिवेश में सरोकारी समझ पोसने के साथ ही आय, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल की इनइक्वेलिटी मिटाने का संदेश देने वाली इस वर्ष की थीम बहुत अहम है। बच्चों को बेहतर जीवन देने के लिए समानता का धरातल बनाते हुए परिवारों को मजबूत सामाजिक और आर्थिक सहायता सिस्टम से जोड़ने के प्रयास भी किए जाएंगे। स्पष्ट है कि पारिवारिक सिस्टम को मजबूती दिए बिना बच्चों को सुरक्षित भविष्य नहीं दिया जा सकता। ऐसे में जिन परिवारों के हालात कमजोर हों, समाज की सरोकारी सोच हर तरह से सहारा दे सकती है।

चुनौती और चेतावनी

आज के समय में एक ओर पारिवारिक मूल्यों को बचाना चुनौती है तो दूसरी ओर इनसे बढ़ती दूरी एक बड़ी चेतावनी है। इस स्थिति से जूझने के लिए हर परिवार को अवेयर होना होगा। नई पीढ़ी को पारिवारिक मूल्यों के सिखाने के साथ ही, सामाजिक लेवल पर भी बराबरी और आपसी समझ का परिवेश बनाना होगा। यूं भी अच्छे पारिवारिक मूल्य ही अच्छा समाज बनाते हैं। सशक्त समाज ही मजबूत राष्ट्र बनाता है। आम से लगने वाले ये नैतिक दिशा-निर्देश सदा से ही खास मानवीय भावों को खाद-पानी देते हैं। स्वस्थ जीवन और स्पष्ट-सधी सोच वाले नागरिक बनाते हैं। मौजूदा दौर की अधिकतर समस्याओं का हल फैमिली सिस्टम के जुड़ाव से निकाला जा सकता है।

मनोबल बढ़ाते पारिवारिक मूल्य

बाल कल्याण और विकास के लिए ही नहीं, बच्चों के दिलो-दिमाग को सही दिशा देने के लिए भी पारिवारिक मूल्य बहुत महत्वपूर्ण हैं। परिवार से मिले संस्कार बच्चों का व्यक्तित्व और विचार दोनों बनाते हैं। पारिवारिक संस्कार न केवल चुनौतियों का सामना करने बल्कि दूसरों की भावनाओं की कद्र करने की संवेदनशीलता भी लाते हैं। इमोशनली स्वस्थ रखते हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अध्ययन के मुताबिक बच्चे हों या वयस्क, परिवार का समर्थन दोनों के भावनात्मक स्वास्थ्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण फैक्टर है। परिवार ही बच्चों को सोशल स्किल्स सीखाता है। परिवार से मिलने वाले गाइडलाइंस अपने देश से जोड़ने वाली सही समझ पोसते हैं। बच्चों को पालन-पोषण की जिम्मेदारी उठाने के साथ आगे बढ़ने के लिए संसाधन भी परिवार ही देता है। फैमिली से मिला साथ-स्नेह और मार्गदर्शन देश के भावी नागरिकों के जीवन को मनोबल की मजबूत बुनियाद देता है। हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट का रिसर्च कहता है कि परिवार के नजदीकी संबंध इंसान को खुशहाल बनाते हैं। फिर नई पीढ़ी के लिए तो परिवार ही पूरा संसार होता है। इस संसार में करीबी अपनों से मिली हर सार्थक सीख जिंदगी को हिम्मत से जीने का बल देती है। नेशनल काउंसिल ऑफ फैमिली रिलेशंस के मुताबिक, 'पारिवारिक मूल्य इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे सुरक्षा, मार्गदर्शन, स्नेह और समर्थन के स्रोत के रूप में एक आधार प्रदान करते हैं। पारिवारिक मूल्य सिखाकर बच्चों को भविष्य में गलत निर्णय लेने से बचाया जा सकता है।'

मिड एज में दिखेंगी स्मार्ट

अकसर बढ़ती उम्र में महिलाएं सोचने लगती हैं कि अब सजने-संवरने की उम्र बीत गई, अब सजे-संवरे तो लोग क्या कहेंगे? लेकिन आप अगर स्मार्ट लुक मेंटेन करती हैं तो आपकी पर्सनालिटी निखरने के साथ ही आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा। इसके लिए क्या करें, जानिए।

जीवनशैली
प्रतिभा अग्निहोत्री

अकसर 45-50 की उम्र पार करते ही महिलाएं यह कहते सुनी जाती हैं, 'अरे इस उम्र में क्या सजना-संवरना!' देखा जाए तो उम्र सिर्फ एक नंबर होता है, आप किसी भी उम्र की हों सजना, संवरना, फैशनेबल ड्रेस पहनना न सिर्फ आपका अधिकार है बल्कि आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाने के लिए भी बहुत आवश्यक है। उम्र के हर पड़ाव पर मौसम, फैशन और अवसर के अनुकूल स्टाइल करके आप हर कहीं स्मार्ट-अट्रैक्टिव दिख सकती हैं।

उम्र को भूल जाएं: कोई ड्रेस पहनते समय अपनी उम्र को याद रखने की जगह इसे भूल जाएं। जो भी फैशन और स्टाइल करने का आपका मन कर रहा है, उसे बिना हिचक के अपनाएं। लोग क्या कहेंगें की परवाह किए बिना अपने दिल की सुनें, क्योंकि आप चाहे जो भी करें लोगों को तो कुछ न कुछ कहना ही होता है।

मनमाफिक हो ड्रेस कलर: मिड एज की महिलाएं आमतौर पर मानती हैं कि इस उम्र में डार्क कलर्ड ड्रेसेस अच्छी नहीं लगती हैं। ऐसी सोच सही नहीं है। आप ब्लैक, नेवी ब्लू, मैरून और डार्क ग्रीन जैसे कलर्स की ड्रेसेस बेफिक्र होकर पहनें। ये आप पर बहुत फबेंगे। ध्यान रखिए कि उम्र का रंग से कोई संबंध नहीं होता। आप हर उस कलर की ड्रेस को पहन सकती हैं, जो आपको पसंद हो और आपकी पर्सनालिटी को आकर्षक बनाए।

अपने वजन पर रखें कंट्रोल: उम्र बढ़ने के साथ-साथ अकसर महिलाएं अपने बढ़ते वजन के प्रति भी लापरवाह हो जाती हैं। अपनी डाइट को कंट्रोल में रखने के साथ-साथ प्रतिदिन योगा, वॉकिंग और व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें, जिससे आपका शरीर एक्टिव और वजन नियंत्रण में रहेगा। इससे हर तरह की ड्रेस आप पर सूट करेगी। आप स्मार्ट नजर आएंगी।

फैशन का रखें ध्यान: आजकल बड़े ज्योमेट्रिकल, फ्लोरल और पोल्का डॉट्स प्रिंट के साथ-साथ हैवी एंब्रॉयडरी वाले प्रिंट्स वाली ड्रेसेस भी खूब चलन में हैं। आप इनमें से किसी भी प्रिंट के आउटफिट का चुनाव कर सकती हैं। आजकल कोर्ड सेट भी फैशन में हैं, इन्हें पहनकर आप फैशनेबल ही नहीं स्टाइलिश भी लगेंगी।

हेयर स्टाइल से नया लुक: आउटफिट के साथ-साथ हेयर स्टाइल पर भी ध्यान देना बहुत जरूरी है। आमतौर पर मिडएज महिलाएं चोटी या जूड़ा बांधना पसंद करती हैं। इसकी जगह खुले बाल या लेयर्ड और शॉर्ट हेयर कट से आप अपने बालों को नया लुक दे सकती हैं। इससे बढ़ी उम्र में भी आप यंग और स्मार्ट लगेंगी। बालों के वॉल्यूम को बढ़ाने के लिए हमेशा अच्छे ब्रांडेड हेयर प्रोडक्ट्स का ही प्रयोग करें। इससे आपके बाल कमजोर नहीं होंगे और उनकी शाइन बनी रहेगी, जो आपकी बढ़ी उम्र को कम करके दिखाएगी।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- मेकअप ऐसा करें, जो आपके कॉम्प्लेक्शन को निखारे और आपकी पर्सनालिटी को यंग लुक दे।
- अपने आउटफिट और अवसर के अनुकूल ऑक्सिडाइज्ड, गोल्ड, सिल्वर या एंटीक ज्वेलरी पहन सकती हैं।
- आपके ओवरऑल लुक पर फुटवियर भी अफेक्ट करता है, आप ब्लॉक हील, हाई हील, किटेन हील या फिर स्नीकर्स को पहन सकती हैं।
- मिड एज में भी आप अपनी कोई भी मनपसंद आउटफिट पहन सकती हैं, बशर्ते उसे पहनकर अपने आत्मविश्वास को बनाए रखें।
- आउटफिट से मैच करता कोई भी स्लिंग या साइड बैग आपकी लुक को यंग टच देगा।

लिविंग रूम घर का एक ऐसा स्थान होता है, जहां पर फैमिली मेंबर्स आराम से बैठकर टाइम स्पेंड करते हैं, रिलैक्स होते हैं। अगर आप चाहती हैं आपका लिविंग रूम, कंफर्टेबल होने के साथ स्टाइलिश भी दिखे तो यहां दिए जा रहे सजेशंस आपके लिए यूजफुल हो सकते हैं।

स्टाइल-कंफर्ट का कॉम्बिनेशन आपका लिविंग रूम दिखेगा अट्रैक्टिव

इंटीरियर
ललिता गोयल

अगर घर में सुकून के कोने की बात करें तो वह लिविंग रूम ही होता है। लिविंग रूम किसी भी घर का दिल होता है। यही वह जगह होती है, जहां न केवल आप मेहमानों का स्वागत करती हैं, शाम या फुर्सत के पलों में परिवार के साथ सुकून के पल बिताती हैं। दिन भर की बातों को एक-दूसरे के साथ शेयर करते हैं। ऐसे में घर के इस खास जगह का इंटीरियर सुकून भरा होना और स्पेशल होना भी जरूरी हो जाता है। आइए जानते हैं कुछ आसान तरीके, जिनसे आप अपने लिविंग रूम को बना सकती हैं, स्टाइल और सुकून का परफेक्ट कॉम्बिनेशन।

कुशन कवर: लिविंग रूम को हल्के और कंट्रास्ट कलर के अलग-अलग टेक्सचर और पैटर्न वाले कुशन कवर से रिच लुक दें। यह बदलाव पूरे कमरे की वाइब बदल देता है।

फर्नीचर का प्लेसमेंट: लिविंग रूम का फर्नीचर ऐसा रखें, जो आपस में कलेक्टेड हो लेकिन यह रूम में चलने-फिरने की जगह को न रोके।

कलर ऑप्शस: अगर लिविंग रूम छोटा है, तो व्हाइट, क्रीम या लाइट ग्रे कलर चुनें। इससे कमरा बड़ा और प्यारा दिखता है।

दीवारें: खाली दीवारें रूम को बोरिंग बनाती हैं। दीवारों पर पुराने फोटो फ्रेम या प्रिंटेड पोस्टर लगाएं। आप फैमिली फोटो का कोलाज या कुछ बजट-फ्रेंडली पेंटिंग्स से भी डेकोरेट कर सकती हैं। पुरानी कांच की कुछ बोतलों को खुद से पेंट करके इनमें लाइट लगाकर अट्रैक्टिव बना सकती हैं।

इंडोर प्लांट्स: ग्रीनरी हमेशा लग्जरी फील देती है। इंडोर प्लांट्स न सिर्फ खाली कोनों को लाइटअप करते हैं, बल्कि हेल्थ के लिए भी बहुत अच्छे होते हैं। इसके लिए इंडोर प्लांट्स जैसे मनी प्लांट, स्नेक प्लांट या एलोवेरा एकदम परफेक्ट रहते हैं। ये न केवल हवा को शुद्ध करते हैं, बल्कि कमरे के खाली कोनों को एक नेचुरल और प्रीमियम लुक भी देते हैं। इंडोर प्लांट्स को पुराने चाइना कप में लगाकर सजाया जा सकता है। अगर जगह कम है, तो आप हैंगिंग पॉट्स का ऑप्शन भी चुन सकती हैं।

मॉडर्न थीम: यह थीम उन लोगों के लिए होती है, जो स्टाइल और लग्जरी पसंद करते हैं। इसमें डेकोरेशन का सामान सीधी लाइंस और जियोमेट्रिक आकारों का होता है। रंगों की बात करें तो ब्लैक, व्हाइट, ग्रे और मेटल (गोल्ड या क्रोम) फिनिश कलर्स का अधिक यूज किया जाता है। कम ऊंचाई वाले सोफे और कांच या मार्बल टॉप वाली टेबल्स से रूम को सजाया जाता है। यह थीम देखने में बहुत ही पॉलिश्ड और क्लासी लगती है।

ट्रेडिशनल-एथनिक थीम: अगर आपको भारतीय संस्कृति और कला से लगाव है और आप इस थीम से लिविंग रूम डेकोरेट करना चाहती हैं तो नक्काशीदार लकड़ी का फर्नीचर और पीतल के सजावटी सामान से लिविंग रूम को सजाएं। कमरे की दीवारों और फर्निशिंग का कलर डार्क और वाइब्रेंट जैसे मैरून, यलो, सेफ्रॉन या डार्क ग्रीन रखें। दीवारों पर मधुबनी या वारली पेंटिंग्स, फर्श पर हाथ से बुने कालीन और पारंपरिक दीए से रूम को सजाएं।

मिनिमलिस्ट थीम: यह थीम छोटे अपार्टमेंट्स के लिए बेहतरीन है। लिविंग रूम में केवल उतना ही फर्नीचर और सामान रखें, जितनी जरूरत हो। इससे कमरा बहुत खाली और शांत महसूस होता है। कमरे की दीवारों और फर्निशिंग के लिए व्हाइट, क्रीम और लाइट पेस्टल शेड्स का एक ही कलर चुनें।

(इंटीरियर डिजाइनर मेघा शर्मा से बातचीत पर आधारित)

स्किन की करें प्रॉपर केयर फेस रहेगा पिंपल्स-फ्री

स्किन केयर
निधि गोयल

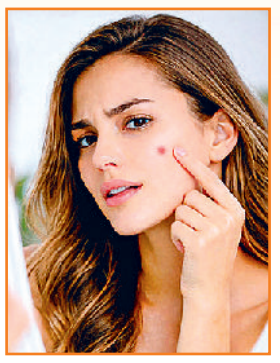

आपकी त्वचा साफ-सुथरी और चमकदार तभी नजर आती है, जब आप अपनी त्वचा का ख्याल सही तरीके से रखती हैं। ज्यादातर महिलाएं अपनी त्वचा की देखभाल पर जरूरी ध्यान नहीं देती हैं, जिस कारण उनके चेहरे पर मुंहासे हो जाते हैं। ये मुंहासे फेशियल अपीयरेंस को बिगाड़ देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि अपनी त्वचा की देखभाल ऐसे करें, जिससे आपकी त्वचा मुंहासों से बची रहे।

फेसवॉश से चेहरे को साफ करें: सबसे जरूरी है कि आप अपने चेहरे को नियमित अच्छी तरह से साफ करें। धूल, मिट्टी चेहरे पर चिपकने के कारण मुंहासे होने की आशंका बढ़ जाती है। आपको दिन में कम से कम दो बार चेहरा अच्छी तरह साफ करना चाहिए। त्वचा के अनुसार ही फेसवॉश का इस्तेमाल करें, क्योंकि सेंसिटिव स्किन पर हर तरह का फेस वॉश सूट नहीं करता है। अपनी त्वचा को ध्यान में रखते हुए फेस वॉश को खरीदें। बार-बार चेहरे को हाथों से छूने से बचें, क्योंकि जब आप चेहरे पर बार-बार हाथ लगाती हैं तो हाथों की गंदगी और बैक्टीरिया चेहरे की त्वचा पर लग जाते है। इससे मुंहासे होने का रिस्क बढ़ जाता है। इसलिए हाथों को बार-बार चेहरे पर न लगाएं।

खूब पानी पिएं: पानी पीना पूरे शरीर के लिए फायदेमंद होता है। आपको ध्यान रखना चाहिए कि पूरे दिन में आपको आठ से दस गिलास पानी पीना है। इससे आपकी बॉडी डिटॉक्स होती है। साथ ही शरीर में से विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। इससे त्वचा ग्लो करने लगती है और आपको मुंहासों से भी छुटकारा मिलता है। आपका चेहरा चमकदार और साफ नजर आने लगता है।

लें न्यूट्रीशस डाइट: अच्छी डाइट लेना हेल्थ के लिए ही नहीं, स्किन के लिए भी फायदेमंद होती है। यदि आप तला-भुना और जंक फूड ज्यादा खाती हैं तो इसका असर आपकी स्किन पर भी दिखने लगता है और आपकी त्वचा पर मुंहासे निकलने लगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि बाहर बिकने वाले स्ट्रीट फूड्स और जंक फूड्स का सेवन बंद कर दें। घर के बने ताजे, पौष्टिक खाने के अलावा फल और सब्जियों का भी अधिक सेवन करें।

तकिए का कवर साफ रखें: अकसर हम रोज जिन चीजों का इस्तेमाल कर रहे होते हैं, वो भी हमारे स्वास्थ्य पर असर डालती हैं। तकिए का कवर भी इनमें से एक है। कवर को दो-तीन दिन के अंतराल पर धो लेना चाहिए, जिससे तकिए के कवर पर जमा गंदगी और तेल आपके चेहरे पर न लग सके, क्योंकि इससे मुंहासे होने का रिस्क कम हो जाएगा।

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

जब जाएं डॉक्टर के पास रखें इन बातों का ध्यान

अपनी या किसी अपने की तबियत खराब होने पर जब आप डॉक्टर के पास जाएं तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। आपके लिए बहुत यूजफुल सजेशंस।

सजेशन
प्रतिभा

हम सभी को अकसर ही डॉक्टर के पास जाना पड़ता है। लेकिन कई लोग डॉक्टर के क्लीनिक या हॉस्पिटल जाते समय कुछ जरूरी बातों का ध्यान नहीं रखते हैं। इससे डॉक्टर या मेडिकल स्टाफ को परेशानी हो सकती है, आपके ट्रीटमेंट में असुविधा हो सकती है या आपके अगल-बगल बैठे दूसरे पेशेंट असहज महसूस कर सकते हैं। मिसाल के तौर पर कुछ महिलाएं हॉस्पिटल में भी ओवर मेकअप, एक्सपोजर वाली ड्रेसेस या स्ट्रॉन्ग स्मेल वाले परफ्यूम स्प्रे करके पहुंच जाती हैं। इन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो वे किसी हॉस्पिटल में नहीं, फैशन शो या फंक्शन में आई हों। इसी तरह कुछ लोग अपनी बीमारी से जुड़े जरूरी कागजात, पुरानी प्रिस्क्रिप्शन या टेस्ट रिपोर्ट या मेडिकल हिस्ट्री लेकर नहीं जाते हैं। या डॉक्टर के पास ले जाना भूल जाते हैं। पर्याप्त जानकारी के अभाव में डॉक्टर को रोग समझने और इलाज शुरू करने में बहुत परेशानी होती है।

रखें ध्यान: आप जब भी किसी प्रकार की बीमारी का इलाज करवाने डॉक्टर के पास जाएं तो यहां बताई जा रही इन बातों का ध्यान अवश्य रखें।

- सबसे पहले अपनी मेडिकल फाइल के समस्त कागजों को अपडेट करें और इसे अपने साथ अवश्य ले जाएं, क्योंकि इसके माध्यम से ही डॉक्टर आपकी केस हिस्ट्री जानकर इलाज प्रारंभ कर सकेंगे।
- डॉक्टर के पास जाते समय ड्रेस सलीकेदार पहनें। बहुत टाइट या फैशनेबल ड्रेस पहनने से बचें।
- अगर आपको डेंटल प्रॉब्लम हो तो डेंटिस्ट के पास हमेशा मुंह अच्छी तरह साफ करके जाएं। दांतों के इलाज के दौरान आपको बार-बार पानी से कुल्ला करना पड़ता है, इसलिए अपने साथ एक रूमाल ले जाएं।
- फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाते समय हमेशा लूज ड्रेसेस पहनें। साथ ही क्लोज्ड या हाईनेक गले का कुर्ता या ब्लाउज पहनकर न जाएं क्योंकि ऐसे में आपके कंधे और पीठ पर मशीन लगाने में डॉक्टर को परेशानी हो सकती है। फिजियोथेरेपी के लिए साड़ी पहनकर जाने से भी बचें। यदि आप सलवार-सूट नहीं पहनती हैं तो साड़ी के अंदर लेगिंग्स या पैंट पहनकर जाएं ताकि आप पैर और कमर की एक्सरसाइज के दौरान सहजता से ऊपर उठा सकें।

- गायनी संबंधित प्रॉब्लम होने पर गायनेकोलॉजिस्ट के पास जाने से पहले अपने प्राइवेट पार्ट्स को अच्छी तरह साफ करके और साड़ी पहनकर ही जाएं। इससे डॉक्टर को चेकअप करने में सुगमता रहती ही है।
- पैथोलॉजिकल टेस्ट करवाने जाते समय फुल स्लीव्स की टाइट ड्रेस के बजाय हाफ स्लीव या लूज ड्रेस पहनकर ही जाएं ताकि बांह से सुगमता से ब्लड सैंपल लिया जा सके।
- डॉक्टर के पास कभी-भी हैवी ज्वेलरी पहनकर और मेकअप करके न जाएं।
- एक्स-रे, सीटी स्कैन या एम.आर.आई. करवाने जाते समय किसी भी प्रकार की धातु का गहना, सेफ्टी पिन, हेयर पिन या हेयर बैंड आदि न पहनें।
- डॉक्टर के पास जाने से पहले घर पर शांति से बैठकर अपनी समस्याओं के बारे में अच्छी तरह सोच लें, ताकि आप डॉक्टर को विस्तार से अपनी समस्या के बारे में बता सकें। इसके आधार पर ही डॉक्टर आपका इलाज प्रारंभ कर सकेंगे। डॉक्टर को अपनी समस्या से जुड़ी छोटी से छोटी बात और लक्षण के बारे में जरूर बताएं।

(जे. पी. हॉस्पिटल, भोपाल की गायनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर सुधा अस्थाना से की गई बातचीत पर आधारित)

नगर परिषद कर्मचारियों की सफाई हड़ताल लगातार जारी

कचरे से दुकानें भी होने लगीं बंद

बहादुरगढ़। धरने पर बैठे सफाई कर्मचारियों को संबोधित करते संजय दलाल, हड़ताल के कारण सड़कों पर फैले कूड़े में मुंह मारते पशु। फोटो : हरिभूमि

- दुकानों के बाहर गंदगी जमा है, इस कारण काम प्रभावित हो रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

नगर परिषद कर्मचारियों की सफाई हड़ताल लगातार जारी है। हड़ताल 11वें दिन प्रवेश कर चुकी है। इस हड़ताल के कारण शहर के लगभग हर चौक, चौराहे व गलियों-सड़कों पर कचरा फैला है। दुकानों के बाहर गंदगी जमा है, इस कारण काम प्रभावित हो गया है। आसपास फैली गंदगी के कारण कुछ लोग तो अपनी दुकान ही नहीं खोल रहे। अब हड़ताल तीन दिन के लिए और बढ़ा दी गई है। लंबी चलती यह हड़ताल आम नागरिकों की परेशानी बढ़ा रही है। उधर, दूसरी तरफ नगर परिषद के गेट पर कर्मचारियों का धरना जारी है। सोमवार को भी कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी की। धरने की अध्यक्षता इकाई प्रधान राजेश बालगुहेर ने की, जबकि संचालन सचिव अमित ने किया। जजपा जिलाध्यक्ष संजय दलाल ने धरना स्थल पर पहुंचकर कर्मचारियों को अपना समर्थन दिया।

सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए

सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। दलाल ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही कर्मचारियों की जायज मांगें पूरी नहीं की, तो कर्मचारी जनप्रतिनिधियों (विधायकों व मंत्रियों) के कार्यालयों के बाहर कूड़ा डालने को मजबूर होंगे। उनके साथ पूर्व पार्षद राजू दलाल, राकेश सिहाग, मुकेश सिहाग, सुभाष बागड़ी, अमर सिंह व मुकेश मांडोठी मौजूद रहे। हड़ताली कर्मियों ने ठेका प्रथा बंद, पुरानी पेंशन बहाल और कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने की मांग उठाई गई। इसके अलावा फरीदाबाद हादसे में जान गंवाने वाले दो दमकल कर्मियों को शहीद का दर्जा देने, परिवार को एक करोड़ की सहायता तथा सरकारी नौकरी की मांग उठाई। जबकि झज्जर में तबीयत बिगड़ने से जान गंवाने वाले कर्मचारी राजेश के परिवार को भी मदद देने की आवाज उठाई। जिला प्रधान राजेंद्र तुषामड़, अजय, मुकेश बालगुहेर सहित अन्य इस अवसर पर मौजूद रहे।

श्रमिक विरोधी कानूनों का विरोध किया

बहादुरगढ़। देश के सभी कामगारों के कड़े विरोध के बावजूद 8 मई को वेतन संहिता (2019), सामाजिक सुरक्षा संहिता (2020) और औद्योगिक संबंध संहिता (2020) के लिए अंतिम नियमों को अधिसूचित करने के केंद्र सरकार के मनमाने कदम का ऑल इण्डिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर (एआईयूटीयूसी) ने कड़ा विरोध किया है। संगठन के जिला सचिव सतीश कुमार ने बताया कि केंद्रीय ट्रेड यूनियनों से सार्थक परामर्श किए बिना, भारतीय श्रम सम्मेलन आयोजित किए बिना उठाया गया यह एकतरफा कदम लोकतांत्रिक मानदंडों पर सीधा हमला है और अंतरराष्ट्रीय श्रम मानकों का उल्लंघन है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की आड़ में लाये गए ये कोड श्रमशक्ति के जीवन पर कॉर्पोरेट मुनाफे को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने यूनियन पंजीकरण को अधिक कठोर बनाने, नियोक्ता द्वारा श्रम कानूनों के उल्लंघनों को अपराधमुक्त करने, ट्रेड यूनियन गतिविधियों के अपराधीकरण और हड़ताल के अधिकार को व्यावहारिक रूप से खत्म करने के कदम की निंदा की। उनके अनुसार निश्चित अवधि के रोजगार से नौकरी की सुरक्षा और कार्यस्थल पर सुरक्षा की नींव ही खतरे में पड़ जायेगी। कर्मचारियों के लिए नुकसानदेह गलत काम करने वाले नियोक्ताओं, मालिकों को खुली छूट दे दी गई है। एआईयूटीसी ने इसके विरुद्ध संघर्ष को तेज करने की घोषणा की है।

टीकाकरण से पहले एसओपी की गाइडलाइन पूरी करने की मांग उठा रहे वीएलडीए

- नई एसओपी की गाइड लाइन के तहत टीकाकरण से 15 दिन पहले पशुओं की डीवॉर्मिंग अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

प्रदेशभर में सोमवार से एफएमडी, एचएस टीकाकरण अभियान शुरू हो गया। दूसरी तरफ वीएलडीए संगठन विरोध जता रहा है। वेटनरी सर्विस एसोसिएशन की राज्य कार्यकारिणी ने तय किया है कि जब तक विभाग भारत सरकार द्वारा निर्धारित भारत पशुधन एप की नई एसओपी की सभी गाइड लाइन पूरी नहीं करता, तब तक कोई भी वीएलडीए टीकाकरण कार्य शुरू नहीं करेगा। संगठन की ओर से बताया गया कि 28 अप्रैल 2026 को महानिदेशक को आगामी टीकाकरण अभियान के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने संबंधी पत्र भेजा गया था। जिला स्तर पर भी उपनिदेशकों को ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन अभी तक विभाग की ओर से कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। संगठन के प्रधान धर्मेंद्र सिंह का कहना है कि नई एसओपी की गाइड लाइन के तहत टीकाकरण से 15 दिन पहले पशुओं की डीवॉर्मिंग अनिवार्य है। इसके अलावा भीषण गर्मी में पशुओं पर पड़ने वाले तनाव, डाटा एंट्री ऑपरेटर की कमी और आवश्यक दवाइयों व संसाधनों की अनुपलब्धता के बीच वैक्सीनेशन कराना जोखिमपूर्ण और चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। यदि एसओपी की गाइडलाइन के बिना कर्मचारियों द्वारा एफएमडी, एचएस टीकाकरण किया जाता है तो जवाबदेही और कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि किसी अधिकारी द्वारा निर्धारित गाइडलाइन पूरी किए बिना कर्मचारियों पर टीकाकरण का दबाव बनाया गया तो संगठन कानूनी रास्ता अपनाते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाने से भी पीछे नहीं हटेगा। पशुपालन विभाग के उपनिदेशक मनीष डबास का कहना है कि झज्जर जिले में टीकाकरण अभियान शुरू हो गया है। फिलहाल काम रुकने संबंधित कोई बात सामने नहीं आई है।

बेरी। समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनते हुए एसडीएम रेणुका नांदल। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम ने सुनीं समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं

- अधिकारियों को शिकायतों के जल्द समाधान करने के निर्देश दिए

बेरी। उपमंडल प्रशासन द्वारा सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम रेणुका नांदल ने नागरिकों की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को शिकायतों के जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का समाधान तय समय-सीमा में किया जाए और कार्यवाही की रिपोर्ट तुरंत प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य है कि नागरिकों की समस्याओं का निवारण उनके घर द्वार के समीप ही त्वरित गति से हो। शिविर में छह शिकायतें दर्ज की गई।

नर्सें बिना पंखों के फरिश्ते की तरह काम करती हैं : डॉ. देशवाल

बहादुरगढ़। चिकित्सा क्षेत्र की रीढ़ मानी जाने वाली नर्स निःस्वार्थ सेवा, समर्पण और करुणा की सच्ची मिसाल हैं, जो हर मुश्किल घड़ी में मरीजों की देखभाल कर मानवता की रक्षा करती हैं। नर्सें न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक और भावनात्मक सहारा देकर स्वास्थ्य प्रणाली के अग्रिम पंक्ति के नायक के रूप में जीवन बचाती हैं। बता दें कि आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल का जन्म 12 मई को हुआ था, उनके जन्मदिन को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के तौर पर मनाया जाता है। उन्होंने ही नोबेल नर्सिंग सेवा की शुरुआत की थी। उन्होंने युद्ध में घायल और बीमार सैनिकों की सेवा में खुद को पूरी तरह से समर्पित कर दिया था। इसलिए वर्ष 1974 में 12 मई को उनकी जयंती के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। कोरोना जैसी वैश्विक महामारियों या किसी भी आपात स्थिति में, नर्सें निडर होकर आगे रहती हैं। वे मूक-बधिर या बेसहारा मरीजों के साथ विशेष मानवीय व्यवहार और साइन लैंग्वेज जैसी कौशल सीखकर मरीजों से जुड़ती हैं। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी विनय देशवाल भी मानते हैं कि नर्सें बिना पंखों के फरिश्ते की तरह काम करती हैं, जो हर दिन मरीजों को एक नया जीवन देने का प्रयास करती हैं। विषम परिस्थितियों और व्यक्तिगत चुनौतियों के बावजूद, नर्सें अटूट समर्पण के साथ मरीजों की देखभाल करती हैं। चिकित्सक डॉ. सुखपाल धारीवाल के अनुसार नर्सिंग स्टाफ चिकित्सा क्षेत्र की रीढ़ और मानवता की मिसाल है। उनका मानना है कि नर्सें आज भी फ्लोरेंस नाइटिंगेल की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं।

रामअवतार दीपक गहलावत को मिला सम्मान

झज्जर। विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में जिला रेडक्रास सोसाइटी द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में रक्तदान शिविर आयोजन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए एक पहल सबका सहयोग टीम सरंक्षक रामअवतार दीपक गहलावत को सम्मानित किया गया है। एसडीएम रवि मीणा ने रामअवतार दीपक गहलावत को सम्मानित करते हुए सबसे ज्यादा रक्तदान शिविर आयोजन पर उन्हें बधाई देते हुए उन्हें इसी प्रकार समाज सेवा में लगे रहने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर जिला रेडक्रास सोसाइटी सचिव प्रदीप कुमार, हेल्थ एजुकेटर दीपक कुमार, डॉक्टर रॉबिन अहलावत, नर्सिंग ऑफिसर ममता, लैब टेक्नीशियन ज्योति, ब्लड डोनर नवीन कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। रामअवतार दीपक गहलावत को सम्मानित करते हुए एसडीएम रवि मीणा। फोटो : हरिभूमि

जैनाबाद में बाइक की टक्कर लगने से वृद्ध की मौत

डहीना। जैनाबाद गांव में रविवार की रात बाइक की टक्कर लगने से एक वृद्ध की मौत हो गई। डहीना पुलिस चौकी ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। गांव निवासी लगभग 70 वर्षीय भगवान सिंह रात को प्लॉट से अपने घर की ओर पैदल जा रहा था। कुछ दूर चलते ही एक बाइक ने भगवान सिंह को टक्कर मार दी। इस हादसे में भगवान सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने उसे रेवाड़ी अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद डहीना पुलिस चौकी स्टाफ ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक के बेटे राहुल के बयान पर पुलिस ने गांव की एक बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज करते हुए शव का पोस्टमार्टम करा दियाञ पुलिस बाइक चालक की तलाश कर रही है।

सीएम से मिला भूतपूर्व सैनिकों का प्रतिनिधिमंडल

बहादुरगढ़। सीएम को भूतपूर्व सैनिकों की समस्याएं बताते रामकंवार सैनी।

बहादुरगढ़। भूतपूर्व सैनिकों का प्रतिनिधिमंडल विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिला। ईएमई कोपर्स के प्रदेश अध्यक्ष जय सिंह तोमर, कैप्टन धर्मवीर सिंह, इंडियन वेटरन ऑर्गेनाइजेशन के सदस्य रामकंवार सैनी, सुरेश, राजबीर व शमशेर आदि ने सीएम के समक्ष भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए मांग रखी। उन्होंने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों के लिए बहादुरगढ़ के पुराने लघु सचिवालय के साथ पड़ी सेना की जमीन ईसीएचएस का हॉस्पिटल बनाया जाए। दूसरी तरफ सीएसडी कैंटीन का निर्माण कर सभी सुविधाएं एक साथ एक ही जगह पर उपलब्ध करवाई जाएं। सीएम ने इन मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

जिलास्तरीय समाधान शिविर में मात्र छह शिकायतें दर्ज

झज्जर। सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में सीटीएम रितु बंसीवाल ने नागरिकों की शिकायतों को सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के जल्द समाधान के निर्देश दिए। समाधान शिविर सरकार की जनहितकारी पहल है, जिसका उद्देश्य आमजन की समस्याओं का एक ही स्थान पर त्वरित एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना है। समाधान शिविर में मात्र छह शिकायतें दर्ज की गईं।

ग्रामीणों को डायल 112, साइबर क्राइम व नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया

- नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज के लिए भी घातक सिद्ध होता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सोमवार को पुलिस की नशा मुक्ति टीम द्वारा दूबलधन गांव में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव, साइबर क्राइम व डायल 112 के प्रति जागरूक किया। एएसआई पवन कुमार ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज के लिए भी घातक सिद्ध होता है। नशे से हम तभी बच सकते हैं जब हम हमारे आसपास हमारे परिवार के लोगों को इसके दुष्परिणामों के बारे में बताएंगे और नशा मुक्त समाज बनाएंगे। वहीं साइबर क्राइम के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि किसी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजा गया लिंक को ओपन ना करें और बैंक से संबंधित गोपनीय जानकारी किसी के साथ भी साझा न करें। इसके अलावा आपातकालीन स्थिति में डायल 112 का प्रयोग करने के बारे में भी विस्तार से बताया।

झज्जर। ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करते हुए एएसआई पवन कुमार। फोटो : हरिभूमि

मां परिवार की सबसे मजबूत नींव होती है : एडवोकेट शरद

- विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य एवं विशेष प्रस्तुतियों से सभी का मन मोहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल बिरड़ में मदर्स-डे के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य एवं विशेष प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। उन्होंने अपनी माताओं के प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता को सुंदर प्रस्तुतियों के माध्यम से व्यक्त किया। इस दौरान महिला अभिभावकों के लिए भी विभिन्न फन, गेम्स और सरप्राइज एक्टिविटीज का आयोजन किया गया। विद्यालय के चेयरमैन एडवोकेट शरद राव ने अपने संबोधन में कहा कि मां परिवार की सबसे मजबूत नींव होती है और उनके प्रेम व संस्कार ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का आधार बनते हैं। प्राचार्य डॉक्टर मनजीत कुमार ने कहा कि मदर्स-डे केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि माताओं के प्रति सम्मान, प्रेम और आभार व्यक्त करने का विशेष अवसर है।

झज्जर। कार्यक्रम में अपने बच्चों के साथ उपस्थित महिला अभिभावक।

सार्वजनिक सूचना

मैं, ओम प्रकाश पुत्र श्री पोहकेर मल निवासी 8/295, नजफगढ़ रोड, शास्त्री नगर, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा-124507 बयान करता हूं कि मेरा पुत्र राजबीर, पुत्रवधु नीलम, पुत्र संदीप व पुत्रवधु पुजा मेरे कहने सुनने से बाहर हैं और मैं उनसे अपने तमाम संबंध समाप्त करते हुए अपनी चल-अचल संपति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनके साथ किसी तरह का लेन-देन करने व व्यवहार रखने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। राजबीर, उसकी पत्नी नीलम, संदीप व उसकी पत्नी पुजा अपने प्रत्येक कार्य के लिए स्वयं जिम्मेवार होंगे। मेरा व मेरे परिवार के सदस्यों का उनसे कोई संबंध व सरोकार नहीं रहा।

सूचना

मैं रजत पुत्र संदीप कुमार निवासी बेरी गेट, शिव कालोनी, झज्जर का रहने वाला हूँ मैं उक्त पते का स्थायी निवासी हूँ कि मेरी दसवीं कक्षा रोल नंबर (17177783) मार्कशीट में मेरे पिता का गलती से नाम संदीप दर्ज है। जबकि मेरे पिता का वास्तविक नाम संदीप कुमार है। इसलिए मैं अपनी दसवीं कक्षा की मार्कशीट में अपने पिता का सही नाम संदीप कुमार दर्ज कराना चाहता हूं। इस बारे सभी चीज़ की जिम्मेवारी मेरी होगी।

सार्वजनिक सूचना

मैं, विजय पुत्र श्री चंद्रे निवासी टांडाहेड़ी, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरी पुत्री प्रार्थना मेरे कहने सुनने से बाहर है और मैं उससे अपने तमाम संबंध समाप्त करते हुए अपनी चल-अचल संपति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उसके साथ किसी तरह का लेन-देन करने व व्यवहार रखने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। प्रार्थना अपने प्रत्येक कार्य के लिए स्वयं जिम्मेवार होगी। मेरा व मेरे परिवार के सदस्यों का उससे कोई संबंध व सरोकार नहीं रहा।

सूचना

मैं, बबीता पत्नी स्व. संजय पुत्र देवी सिंह निवासी गांव खरहर, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर बयान करती हूं कि मेरा पुत्र मनीष मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

कार्यालय नगर परिषद, बहादुरगढ़

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मिनाक्षी (पुत्री), सुशील मलिक (पुत्र), रीना (पुत्री) s/o d/o स्व. ओमप्रकाश मलिक निवासी 7/34, गली नंबर-2, मॉडल टाउन, बहादुरगढ़ द्वारा दुकान नंबर-64, नाहरा-नाहरी रोड, वार्ड नंबर-17 कॉलोनी मॉडल टाउन, जो कि नगर परिषद बहादुरगढ़ प्रॉपर्टी टैक्स रिकार्ड में ओमप्रकाश मलिक के नाम दर्ज है। ओमप्रकाश मलिक की मृत्यु उपरांत अब नगर परिषद बहादुरगढ़ के रिकार्ड में उक्त दुकान नंबर-64 पर प्रार्थी के द्वारा वसीयत/वारसान प्रमाण पत्र के आधार पर अपना नाम तब्दील करवाना चाहते हैं, जिसकी वसीयत/वारसान प्रमाण पत्र तहसीलदार बहादुरगढ़ द्वारा तसदीक की गई है

अतः आम व खास को इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त संपति दुकान नंबर-64, नाहरा-नाहरी रोड, वार्ड नंबर-17 कॉलोनी मॉडल टाउन पर यदि कोई अन्य हकदार है या उक्त संपति पर किसी को आपत्ति है तो वह सबूतों सहित इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिन के अंदर अंदर नगर परिषद बहादुरगढ़ कार्यालय में आकर अपना दावा पेश करें। अन्यथा इस नोटिस का समय समाप्त होने पर यह संपति दुकान नंबर-64, नाहरा-नाहरी रोड प्रार्थी मिनाक्षी (पुत्री), सुशील मलिक (पुत्र), रीना (पुत्री) s/o d/o स्व. ओमप्रकाश मलिक के नाम से नगर परिषद बहादुरगढ़ के रिकार्ड में दर्ज कर दी जाएगी। जिसमें नगर परिषद बहादुरगढ़ की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

हस्ता/-कार्यकारी अधिकारी, नगर परिषद बहादुरगढ़।

सूचना

मैं, बलवान सिंह पुत्र श्री राम विनोद सिंह निवासी मकान नं. 1033 सैक्टर-7, हाउसिंग बोर्ड बहादुरगढ़ जिला झज्जर, हरियाणा 124507 बयान करता हूं कि मेरा पुत्र अमन सिंह उर्फ अखिल मेरे व मेरे परिवार के कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

इंस्टाग्राम ऑटोमेशन टूल फॉर मीडियम एंड स्मॉल बिजनेस प्रोजेक्ट को प्रथम पुरस्कार मिला

प्रोजेक्ट प्रदर्शनी में गंगा संस्थान के विद्यार्थियों ने जीते पांच पुरस्कार

- विद्यार्थियों को नवाचार एवं तकनीकी उत्कृष्टता के क्षेत्र में निरंतर प्रदर्शन करते हुए संस्थान और प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करना चाहिए: डा. गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कबलाना के विद्यार्थियों ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में आयोजित इनोवेशन, क्रिएटिविटी एंड द स्पिरिट ऑफ टेक्नोलॉजी विषयक प्रोजेक्ट प्रदर्शनी में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच पुरस्कार जीते हैं। हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस व इन्फॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी हरियाणा के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी में एआई ज्ञानसेतु श्रेणी में एप्लाइड साइंस विभाग के विद्यार्थियों द्वारा तैयार इंस्टाग्राम ऑटोमेशन टूल फॉर मीडियम एंड स्मॉल बिजनेस प्रोजेक्ट को प्रथम पुरस्कार मिला जबकि कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों के एआई ड्रिवन पॉटहोल सेगमेंटेशन सिस्टम प्रोजेक्ट को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। फायर टेक्नोलॉजी एंड सेफ्टी विभाग के रेस्क्यू चेयर प्रोजेक्ट ने प्रथम, फायर स्प्रिंकलर टेस्टिंग सिस्टम प्रोजेक्ट को द्वितीय पुरस्कार तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के एविरोन एआई ड्रोन प्रोजेक्ट को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर संस्थान के चेयरमैन डॉक्टर सुशील गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थियों को नवाचार एवं तकनीकी उत्कृष्टता के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान और प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करना चाहिए। संस्थान निरंतर विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान, अनुसंधान एवं नवाचार के लिए प्रोत्साहित कर रहा है ताकि विद्यार्थी भविष्य की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकें।

झज्जर। शिक्षकों के साथ उपस्थित विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

एनडीए में आरईडी के विद्यार्थियों ने पाई सफलता

झज्जर। एनडीए लिखित परीक्षा के घोषित परिणामों में आरईडी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के सात विद्यार्थियों ने सफलता हासिल कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। सफल विद्यार्थियों में रेहान, रजत, नकुल गुलिया, शुभम, लोकेश गुलिया, मोहित एवं दिव्या शामिल हैं। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय निदेशक जितेंद्र सिंह अहलावत ने बधाई देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि राष्ट्र सेवा के लिए भी प्रेरित करना है। प्राचार्य सुनील कादियान ने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आगे चलकर भी विद्यालय व परिवार का नाम रोशन करेंगे।

बाबा प्रसाद गिरी मंदिर में दिखा आस्था, भक्ति और श्रद्धा का संगम

सोमनाथ केवल आस्था का प्रतीक नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति की दृढ़ पहचान

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद संजय भाटिया ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

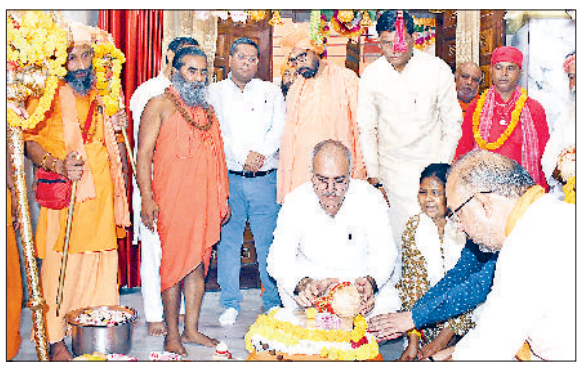

झज्जर। बाबा प्रसाद गिरी महाराज की समाधि पर नमन करते राज्यसभा सांसद संजय भाटिया। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सोमनाथ मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शहर के बाबा प्रसाद गिरि मंदिर में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद संजय भाटिया ने बतौर मुख्यातिथि और बहादुरगढ़ विधायक राजेश जून ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिकरत की। राज्यसभा सांसद संजय भाटिया ने कहा कि सोमनाथ मंदिर केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ता, संस्कृति और आत्मसम्मान का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हजारों वर्षों की चुनौतियों और अनेक आक्रमणों के बावजूद हमारी संस्कृति और विरासत जीवित रही, क्योंकि देशवासियों ने अपनी आस्था और संस्कारों को कभी टूटने नहीं दिया। बाद में शहर में महंत परमानंद गिरी व मृत्युंज गिरी के सानिध्य में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा बाबा प्रसाद गिरी मंदिर से शुरू कर चौपटा बाजार, डायमंड चौक, गोपाल मंदिर होते हुए पुनः बाबा प्रसाद गिरी मंदिर पहुंची। इस अवसर पर जिप चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी, महेंद्र बंसल, प्रवक्ता गीतांशु चावला, केशव सिंघल, प्रमोद बंसल, एडवोकेट पंकज शर्मा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

झज्जर। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में आरपीएस स्कूल कोसली के विद्यार्थियों द्वारा गांव के प्राचीन शिव मंदिर परिसर में सनातनी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने धार्मिक स्तुति एवं शिव तांडव के साथ शिव की महिमा के माध्यम से भारतीय सनातनी संस्कृति एवं गौरव का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में शिवपुरी महाराज एवं प्राचीन शिव मंदिर के महंत रामदास महाराज, रेवाड़ी उपायुक्त अभिषेक मीणा, एसडीएम कोसली विजय यादव, भाजपा नेता बाबू वीर कुमार यादव ने शिवलिंग पर जल चढ़ाते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत शिव शक्ति महिमा की सराहना की। इस मौके पर स्कूल के अध्यक्ष श्रीभगवान यादव, निदेशक हंसराज यादव, प्राचार्या अंजू यादव सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले एसआर सेंचुरी स्कूल के विद्यार्थी।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर विज्ञान के महत्व को समझाया

- विद्यार्थियों ने भारत की प्रगति में तकनीक की भूमिका विषय पर रोल प्ले प्रस्तुत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

एसआर सेंचुरी पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस उत्साह के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विज्ञान एवं तकनीक के महत्व तथा भारत की तकनीकी उपलब्धियों के प्रति जागरूक किया गया। विशेष प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। दीप्ति, सक्षम राठी, कशिश, भावना व रावी ने हम राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस क्यों मनाते हैं शीर्षक पर एक प्रभावशाली स्किट प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने भारत की प्रगति में तकनीक की भूमिका विषय पर रोल प्ले प्रस्तुत किया। पार्थ ने प्राचीन भारत, हितेन ने भूतकालीन भारत, आनंद ने वैज्ञानिक, सिमर ने मोबाइल फोन, सत्विक ने लैपटॉप, गर्वित ने स्मार्ट वॉच, जानवी ने सैटेलाइट, प्रीधि ने रोबोट तथा कनिष्का ने भविष्य भारत की भूमिका निभाई। टेक न्यूज सेगमेंट में नवीन तकनीकी विकासों की जानकारी साझा की गई। प्रधानाचार्य वीएन झा ने विद्यार्थियों को तकनीक के सकारात्मक एवं रचनात्मक उपयोग के बारे में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार, वैज्ञानिक सोच एवं तकनीकी विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

स्टेट किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में झज्जर ने जीता ब्रांज, किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

हाल ही में फरीदाबाद में हुई 25वीं ऑल हरियाणा राज्य स्तरीय किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में झज्जर की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। यहां के कई खिलाड़ियों ने पदक जीते। विजेता खिलाड़ियों का अभिनंदन किया गया।

चैंपियनशिप में प्रदेशभर के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। फरीदाबाद की टीम पहले और गुरुग्राम की टीम उपविजेता बनी। झज्जर जिले के खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में कई पदक जीते। सब जूनियर वर्ग में दृष्टि सैनी ने 25 किलो में कांस्य पदक, वीर गुलिया ने 35 किलो और देवांश कौशिक ने प्वाइंट फाइट में गोल्ड मेडल जीता। आदित्य कुमार ने 40 किलो में 1 स्वर्ण और 1 रजत पदक हासिल किया। केनव गुलिया ने 47 किलो तथा वंश राज ने 50 किलो लाइट कॉन्टैक्ट वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किए। हनिश डागर ने 52 किलो वर्ग में स्वर्ण और कांस्य पदक अपने नाम किए। जूनियर वर्ग में राधिका ने 60 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। पुरुष वर्ग में निखिल कुमार ने 48 किलो, अरमान गुलिया ने 55 किलो में 2 स्वर्ण पदक, दक्ष कुमार गुलिया ने प्वाइंट फाइट 55 किलो में स्वर्ण पदक हासिल किया।

बहादुरगढ़। संघ के अध्यक्ष व कोच के साथ झज्जर के पदक विजेता खिलाड़ी।

ये बने विजेता: कार्तिक गुलिया ने 50 किलो रिंग फाइट, नितिन कुमार ने 66 किलो रिंग फाइट और रौनक कुमार ने 70 किलो हेवीवेट रिंग फाइट में स्वर्ण पदक जीते। महिला सीनियर वर्ग में मधु कुमारी ने 60 किलो भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर जिले का नाम रोशन किया। हरियाणा किक बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, कोच जसवंत, हवा सिंह मलिक, नरेंद्र सैनी ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते श्री राम आदर्श पब्लिक स्कूल के बच्चे।

मदर्स-डे पर मां के प्रति प्रेम व सम्मान का परिचय दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रोहद के श्री राम आदर्श पब्लिक स्कूल में मदर्स डे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत एवं कविताओं के माध्यम से माताओं के प्रति अपने प्रेम और सम्मान को व्यक्त किया। इस दौरान विभिन्न मनोरंजक खेल एवं गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें माताओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्कूल प्रधानाचार्य मनीषा कुमारी ने कहा कि मां बच्चों के जीवन की पहली गुरु होती है तथा ऐसे कार्यक्रम बच्चों में संस्कार, सम्मान एवं आत्मविश्वास विकसित करने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम में सहभागिता के लिए उन्होंने सभी माताओं का धन्यवाद किया।

पीपीटी प्रतियोगिता में कलाम व अटल सदन के विद्यार्थियों को प्रथम स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में सोमवार को टेक्नोलॉजी दिवस पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन विषय पर अंतरसदनीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नौवीं व दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्राचार्य प्रीति राठी की अध्यक्षता में आयोजित इस अंतर सदनीय प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीक के माध्यम से अपने मनोभावों को व्यक्त किया। चारों सदनों के विद्यार्थियों ने विज्ञान, शिक्षा, पर्यावरण, डिजिटल इंडिया तथा सामाजिक जागरुकता समसामयिक विषयों पर अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियां देते हुए 5 मिनट की पीपीटी तैयार की। निर्णायक की भूमिका विज्ञान प्राध्यापिका सोनू यादव और प्राध्यापक किशलय कुमार और सुरेंद्र सुहाग ने निभाई। नौवीं कक्षा के प्रतियोगिता परिणामों में अटल सदन से यशवी व कनक की टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा कलाम सदन से प्रीत व हीमा की टीम द्वितीय व रमन सदन से ईशान व साक्षी की टीम तृतीय रही। दसवीं कक्षा में कलाम सदन से चेतना व वैशाली की टीम प्रथम, अटल सदन से ईरा व साक्षी की टीम द्वितीय तथा रमन सदन से देवन व रूचिका की टीम तृतीय रही। एचडी ग्रुप सचिव हेमंत गुलिया ने विद्यार्थियों को टेक्नोलॉजी की महत्ता से अवगत कराते हुए कहा कि आधुनिक दौर में अगर आगे बढ़ना है तो तकनीकी ज्ञान बहुत जरूरी है। बदलते परिवेश में तकनीकी कौशल, रचनात्मकता और प्रस्तुतिकरण की कला को विकसित करना पड़ेगा। ऐसी प्रतियोगिताएं जहां बच्चों में आत्म-विश्वास भरती हैं, वहीं तकनीकी ज्ञान भी विकसित करती हैं। इस मौके पर एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा, एक्टिविटी इंचार्ज कमलेश ढिल्लों आदि रहे।

झज्जर। शिक्षकों के साथ उपस्थित विजेता टीम के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा शूटिंग बॉल टीम नेशनल चैंपियनशिप के लिए तेलंगाना रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एमेच्योर शूटिंग बॉल एसोसिएशन हरियाणा के बैनर तले जिला शूटिंग बॉल एसोसिएशन गुरुग्राम द्वारा आयोजित 45वीं हरियाणा स्टेट शूटिंग बॉल चैंपियनशिप में प्रदेश भर की टीमों ने भाग लिया। जेपी कादियान ने बताया कि प्रतियोगिता के परिणामों में लड़कियों की अंडर-17 आयुवर्ग की प्रतियोगिता में भिवानी प्रथम, हिसार द्वितीय तथा करनाल तृतीय रही। अंडर-19 में भिवानी पहले, करनाल दूसरे और झज्जर तीसरे स्थान पर रहा। लड़कियों के सीनियर वर्ग में भिवानी ने पहला, करनाल ने दूसरा और झज्जर ने तीसरा स्थान हासिल किया। लड़कों के मुकाबलों में सब जूनियर वर्ग में भिवानी प्रथम, फतेहाबाद द्वितीय और हिसार तृतीय स्थान रहा।

झज्जर। एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ उपस्थित चयनित टीमों के खिलाड़ी।

छात्रों को हस्तशिल्प कला का महत्व समझाया

- तीन दिवसीय हस्तशिल्प जागरूकता कार्यक्रम शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के मॉडल संस्कृति राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सोमवार से तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में चार प्रतिष्ठित शिल्पकार विद्यार्थियों को हस्तशिल्प की बारीकियां समझाएंगे।

भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत रेवाड़ी स्थित हस्तशिल्प सेवा केंद्र के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत की समृद्ध हस्तशिल्प विरासत के प्रति जागरूक करना तथा उनमें पारंपरिक शिल्पों के प्रति रुचि एवं कौशल का विकास करना है। काष्ठ नक्काशी में नेशनल अवार्ड प्राप्त चंद्रकांत बोंदवाल, टेराकोटो में स्टेट अवार्ड प्राप्त ममता त्रिपाठी, पेंटिंग शिल्प विशेषज्ञ लक्ष्य तथा ज्वैलरी शिल्प विशेषज्ञ रिंकू इस दौरान अपने हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। वे विद्यार्थियों को अपने-अपने शिल्प की बारीकियों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन कर जानकारी प्रदान कर रहे हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग के लिए स्कूल प्रिंसिपल मंजू रानी, उप-प्राचार्य सुशीला व कला अध्यापिका रश्मि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भाग ले रहे चारों शिल्पकारों को भी सम्मानित किया गया।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान प्रिंसिपल के साथ शिल्पकार। फोटो : हरिभूमि

युवा पीढ़ी को देश की विरासत से जोड़ने की जरूरत

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कालीन प्रशिक्षण अधिकारी विष्णु भारती विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने भारत की पारंपरिक हस्तशिल्प कला के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर प्रकाश डाला। युवा पीढ़ी को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में भाग ले रहे शिल्पकारों ने विद्यार्थियों के साथ उत्साहपूर्वक संवाद किया तथा काष्ठ नक्काशी, टेराकोटा निर्माण, पेंटिंग एवं ज्वेलरी निर्माण से संबंधित विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने शिल्प प्रदर्शन में गहरी रुचि दिखाई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

बहादुरगढ़। माताओं के लिए तैयार की गई वस्तुएं दिखाते डीपीएस के विद्यार्थी।

माताओं के लिए विद्यार्थियों ने बनाई ज्वेलरी

बहादुरगढ़। दिल्ली पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यालय में विशेष गतिविधियां की गई। इनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मॉन्टेसरी से कक्षा दूसरी तक के नन्हे विद्यार्थियों ने डांस, स्किट एवं राइम्स प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कक्षा तीसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के लिए सुंदर एवं आकर्षक ज्वेलरी तैयार की। विद्यार्थियों ने बड़े प्रेम और उत्साह के साथ अपने हाथों से बनाए गए उपहार अपनी माताओं को समर्पित किए।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

विद्यार्थियों में उत्साह , सीबीएसई का रिजल्ट जल्द आने की संभावना

12वीं के रिजल्ट का इंतजार, छात्र सीयूईटी के लिए भी तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सीबीएसई बोर्ड 12वीं की परीक्षा में शामिल हुए विद्यार्थी बेसब्री से अपने रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं। ऐसी उम्मीद है कि बोर्ड की तरफ से आजकल में ही रिजल्ट जारी किया जा सकता है। सीबीएसई द्वारा रिजल्ट को आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। झज्जर जिले में 12वीं के करीब 6 हजार छात्रों ने परीक्षा दी थी। बारहवीं के छात्र बोर्ड परीक्षा में पास होने अलावा देश के टॉप कॉलेज में एडमिशन प्राप्त करने के लिए होने वाली परीक्षा की तैयारी में जोर-शोर से जुटे हैं। बता दें कि 12वीं की परीक्षा का आयोजन 17 फरवरी से 10 अप्रैल तक किया गया था। परीक्षा समाप्त हुए एक महीने से अधिक टाइम हो चुका है। फिर भी अभी तक रिजल्ट जारी नहीं किया गया है। हालांकि 10वीं का परिणाम 15 अप्रैल को आ चुका है। सीबीएसई 12वीं का रिजल्ट एक-दो दिन में जारी होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। डिजीलॉकर पर रिजल्ट जल्द जारी होने की अपडेट आ चुकी है। एक बार परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद सीबीएसई की वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट देख सकेंगे। इसके अलावा डिजीलॉकर व उमंग एप के माध्यम से भी विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम प्राप्त हो सकेगा।

31 मई तक होंगे सीयूईटी के टेस्ट

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की तरफ से कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट 2026 का आयोजन किया जा रहा है। दिल्ली यूनिवर्सिटी समेत अन्य विश्वविद्यालयों के कॉलेजों में दाखिला लेने के इच्छुक छात्रों ने भी परीक्षा की तैयारी में जुटे हैं। सीयूईटी यूजी 2026 की परीक्षा सोमवार 11 मई से शुरू हो गई है। यह टेस्ट 31 मई तक होंगे। पीडीएम पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. सुमन हुड्डा ने सलाह दी है कि प्रत्येक टॉपिक को समझने के बाद उसके शॉर्ट नोट्स जरूर बनाएं। परीक्षा से तुरंत पहले रिवीजन में ये मददगार सिद्ध होंगे। सिलेबस की तैयारी पूरी होने के बाद स्वयं को परखने के लिए मॉक-टेस्ट जरूर दें। इससे कमजोरी पकड़ने और उसे दूर करने में मदद मिलेगी।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले फाउंडेशन स्कूल के विद्यार्थी।

फाउंडेशन स्कूल में तकनीक की जानकारी दी

बहादुरगढ़। फाउंडेशन पब्लिक स्कूल में सोमवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिक दिवस मनाया गया। इसमें 9वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने कविता और नृत्य के माध्यम से विद्यार्थियों को तकनीक के बारे में समझाया। स्कूल निदेशक हर्षदीप राठी ने बताया कि भारत में हर साल 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। यह दिन 1998 में पोखरण में हुए सफल परमाणु परीक्षणों (ऑपरेशन शक्ति) और भारत की तकनीकी सफलताओं, जैसे 'हंसा-3' विमान और त्रिशूल मिसाइल के प्रक्षेपण की याद दिलाता है। विद्यार्थियों की प्रस्तुतिके बाद स्कूल प्राचार्या मोनिका राठी ने विद्यार्थियों को शाबासी देते हुए तकनीक के बारे में विद्यार्थियों से अपने विचार साझा किये। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि हमें तकनीक का सदुपयोग करना चाहिए। ताकि हमारा जीवन अंधकारमय न होकर प्रकाशमान रहें।